



आई. टी. एल. पब्लिक स्कूल
एस. ए. 1 (2015 – 16)

दिनांक 14/9/2015

कक्षा - अष्टमी

संस्कृत (उत्तर पत्रिका)

होराद्वयम्

पूर्णाङ्क 90

क.	<p>खण्डः 'क' अपठित - अवबोधनम् —10</p> <p>अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत—</p> <p>1. एकपदेन उत्तरत — (1) हंसः (2) सिद्धार्थस्य (3) देवदत्तः (4) रक्षकः</p> <p>2. पूर्णवाक्येन उत्तरत — सिद्धार्थः धावित्वा हंसस्य शरीरात् बाणं निष्कास्य तम् अंके अधारयत् ।</p> <p>3. भाषिककार्यम् - (1) वनम् (2) (ग) देवदत्ताय</p> <p>4. उचित शीर्षक - 'भक्षकात् रक्षकः श्रेयान्'</p>	<p>1×4 = 4</p> <p>2</p> <p>1×2 = 2</p> <p>2</p>
ख1.	<p>खण्डः 'ख' रचनात्मकं कार्यम् — 15</p> <p>मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया चित्रं दृष्ट्वा पञ्च वाक्यानि लिखत । छात्राः शब्दसूची सहायतया भावानुसारं संस्कृतभाषायां पञ्च वाक्यानि स्वयमेव लेखिष्यन्ति ।</p>	<p>2×5 =10</p>
ख2.	<p>अधोलिखितं संवादं मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दैः पूरयत — (1) पश्यामि (2) तुभ्यम् (3) गीताम् (4) कुत्र (5) वसति</p>	<p>1×5 = 5</p>
ग1.	<p>खण्डः 'ग' अनुप्रयुक्तव्याकरणम् — 30</p> <p>(अ) अधोलिखित वर्णों के वर्णविच्छेद कीजिए - (1) करिष्यामः— क् +अ+ र् + इ+ष् +य् +आ +म् +अः (2) देवालयः— द् + ए +व् +आ+ ल् +अ +य् +अः (3) पुष्पाणि — प् +उ +ष् +प् +आ+ ण् + इ (4) पुस्तकालयम् — प् +उ+ स् +त् +अ +क् +आ + ल् +अ +य् +अ+ म्</p> <p>(आ) वर्ण संयोजन कीजिए - (1) मानवस्य (2) कुशलम् (3) कारागारे (4) अवसत्</p>	<p>1×4 = 4</p> <p>1×4 = 4</p>
ग 2.	<p>रेखांकितपदानां सन्धिच्छेदम् अथवा सन्धिं निम्नलिखितेषु पदेषु उचितं पदं चित्वा लिखत — 1. महा+उत्सवे 2. वधूत्सवे 3. मात्राज्ञाम् 4. देव +आलयम्</p>	<p>1×4 = 4</p>
ग 3.	<p>अधोलिखितवाक्येषु स्थूलपदेषु प्रकृतिप्रत्ययोः विग्रहं कोष्ठकात् उचित विकल्पं चित्वा लिखत— 1. दृश +क्त्वा 2. खाद + तुमुन् 3. पठ +क्त 4. कृ +अनीयर</p>	<p>1×4= 4</p>

ग4.	संख्याम् अवलोक्य समुचित संख्यावाचिशब्दैः रिक्तस्थानपूर्तिः कुरुत — (क) पञ्चाशत् (ख)चतुर्दश (ग)अष्टादश (घ) पञ्चत्रिंशत्	1×4= 4
ग 5.	अधोलिखित शब्दरूपों की विभक्तियाँ उचित शब्दों द्वारा भरिए— 1. कविभ्याम् /कविभ्यः 2. रमायै / रमाभ्याम् 3. अस्मिन् /अस्मासु 4. तयोः /तेषाम् 5. त्वया / युवाभ्याम्	1/2×10 = 5
ग6.	अधोलिखित धातुरूपों के रिक्त-स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों द्वारा कीजिए— 1. अस्ति/ सन्ति 2. भविष्यावः / भविष्यामः 3. नमतु /नमताम् 4. सेवेते / सेवन्ते 5. नृत्य / नृत्यत	1/2×10 = 5
घ1.	खण्डः 'घ' पठित - अवबोधनम् — 35 अधोलिखित गद्यांश का सप्रसंग हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए — प्रसंग- प्रस्तात पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक कणिका भाग - 3 के 'मातृ भक्तः श्वेतः गजः' नामक पाठ से ली गई हैं जिसमें एक सफेद हाथी की माता के प्रति भक्ति के बारे में बताया गया है। व्याख्या- हिमालय के वनों में अस्सी हजार हाथियों का एक समूह था। दल का नेता एक सफेद हाथी था। सभी हाथी बोले - आप हमारे प्रिय राजा हैं। हम बहुत दूर आ गये हैं। हे दूतों ! जाओ, मेरी अन्धी माता के लिये ये फल ले जाओ। दूतों ने मिलकर सारे फल स्वयं खा लिये। अन्धी माता भोजन के बिना भूखी थी। ऐसा जानकर सफेद हाथी बहुत दुखी हुआ।	10
घ2.	अधोलिखित श्लोकों का हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए — व्याख्या:- (क) समुद्रों में वर्षा व्यर्थ है सन्तुष्ट को भोजन व्यर्थ है। धनी लोगों को दान देना व्यर्थ है दिन में दिया जलाना व्यर्थ है।। व्याख्या:- (ख) जैसा देश वैसी भाषा ,जैसा राजा वैसी प्रजा होती है। जैसी भूमि वैसा जल, जैस बीज वैसा अंकुर होता है।।	5+5 = 10
घ3.	अधोलिखितानाम् केषाञ्चन पञ्च प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत भाषायां यच्छत - (क) प्रतिवर्ष वाराणसीनगर्या गजोत्सवः भवति ? (ख) अब्दुलकलामः चेन्नईसंस्थानतः वैमानिक अभियन्तुः उपाधिं प्राप्तवान् ? (ग) चन्द्रयान-परियोजनायां 'इसरो' संस्थानम् कार्यरतम् अभवत् ? (घ) सौर्यमण्डलस्य चन्द्रः ग्रहः सर्वान् आकर्षयति ? (ङ) सूर्यः उदये अस्तमये च रक्तः भवति ? (च) राजगुरवे शिखा धर्मस्य चिह्नम् आसीत् ? (छ) यथा बीजं तथा अंकुरः भवति ?	1×5 = 5
घ4.	रेखांकित पदम् आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कियताम्- (1) (घ)कः (2) (क) कम् (3) (क) कान् (4) (ख) कस्य (5) (ख) काम्	1×5 = 5
घ5.	कोष्ठकात् समुचितपदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत- (क)ज्ञास्यामः (ख) क्षिपन्तु (ग) द्रक्ष्यामः (घ) कुरु (ङ)वत्स्यथ	1×5= 5